हम पंछी उन्मुक्त गगन के

प्र १) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

अ) हम पंछी उन्मुक्त गगन को

आ) कहीं भली है कटुक निबौरी

इ) पुलकित पंख टूट जाएँगे।

ई) बस सपनों में देख रहे हैं तरु की फुनगी पर के झुले।

उ) ऐसे थे अरमान कि उड़ते

ऊ) या तो क्षितिज मिलन बन जाता

ए) आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।

प्र २) कनक - तीलियों कनक और तीलियों

कविता में आए ऐसे शब्द ढूँढो जहाँ पर सामासिक चिह्न का उपयोग किया है।

अ) भूखे - प्यासे

आ) स्वर्ण - श्रृंखला

इ) तारक - अनार

ई) होड़ा - होड़ी

उ) छिन्न - भिन्न

प्र ३) निचे दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखें।

अ) जाएँगे - आएँगे

आ) झूले - भूले

इ) पाने - दाने

ई) होड़ी - डोरी

प्र ४) एक-एक वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) पक्षियों को पिंजरे में बंद किया जाए तो क्या होगा?

अगर पक्षियों को पिंजरे में बंद किया जाए तो वह गा नहीं पाएँगे।

आ) पक्षियों के पंख कब टूट जाएँगे?

पिंजरे से बाहर निकलने का प्रयास करते वक्त तीलियों से मतलब सलाखों से टकराकर पंख टूट जाएँगे।

इ) पक्षी कहाँ का पानी पिते हैं?
पक्षी बहते नदीयों का जल पिते हैं।

ई) कनक - कटोरी के भेंदा से पक्षीयों को क्या अच्छा लगता है?
कनक - कटोरी के भेंदा से पक्षीयों को कटुक - निबोरी मतलब निम का फल उन्हे अच्छा लगता है।

उ) पिंजरे में बंद पक्षी कौनसा सपना देख रहे है?
पिंजरे में बंद पक्षी वृक्ष की ऊँची डाली पर बैठकर झुला झुलने के सपने देख रहे है।

ऊ) पक्षीयों के क्या अरमान थे?
आसमान की जहाँ तक सीमा है वहा तक उड़ान भरने का अरमान पक्षियों में थी।

ए) अपने पंखों को होड़ लगाकर पक्षी कहा तक जाना चाहते है?
अपने पंखों को होड़ लगाकर पक्षी क्षितिज तक जाना चाहते है।

ऐ) अगर पक्षियों को क्षितिज ना मिले तो वह क्या करेंगे?
अगर पक्षियों को क्षितिज ना मिले तो वह मर जाना चाहते है।

प्र ४) समान अर्थी वाले शब्द लिखें।

अ) गगन - आकाश
आ) कनक - सोना
इ) तीलियाँ - सलाखें
ई) जल - पानी
उ) अरमान - इच्छा
ऊ) कटुक - कडवा
ए) विघ्न - बाधा
ऐ) फुनगी - शिखर
ओ) तरु - वृक्ष
औ) उन्मुक्त - स्वतंत्र